म.प्र. अस्पताल सहायक

सूरदास

टॉप 80 प्रश्न

इससे बाहर कुछ नहीं आएगा

Tez education
म.प्र. अस्पताल
सहायक परीक्षा
आपकी सफलता
हमारा लक्ष्य
परीक्षा पैटर्न पर आधारित
अत्यंत महत्वपूर्ण प्रश्न संग्रह
PDF फॉर्मेट में सुविधाजनक
तुरंत डाउनलोड करें, कहीं भी पढ़ें
2500 ब्रह्मास्त्र प्रश्न PDF
BRAHMASTRA
मात्र ₹149/- में
Tez Educaion
सही तैयारी, पक्की सफलता!
NEW
Current Affairs
Daily Quiz
PDF
Notes PDF
Study Material
Live Classes
Test Series
PDF NOTES • QUIZ • TEST SERIES
सब कुछ एक ही ऐप में!
WhatsApp Group
जरूर जॉइन करें!
नं.- 8223811131
ऐप जरूर डाउनलोड करें -
Tez Education
GET IT ON
Google Play

म.प्र. अस्पताल सहायक भर्ती

ब्रह्मास्त्र तैयारी

YouTube क्लास

PDF डाउनलोड करें

जीवन परिचय और सामान्य ज्ञान

1. सूरदास का जन्म कब हुआ था? — 1478 ई. में।

2. सूरदास का जन्म स्थान कहाँ माना जाता है? — रुनकता या रेणुका क्षेत्र (कुछ विद्वान दिल्ली के पास 'सीही' मानते हैं)।

3. सूरदास के गुरु का नाम क्या था? — महाप्रभु वल्लभाचार्य।

4. सूरदास किस काल के कवि हैं? — भक्तिकाल के।

2500 ब्रह्मास्त्र प्रश्न - मात्र ₹149/- Tez Education ऐप पर उपलब्ध

5. सूरदास भक्तिकाल की किस धारा के कवि हैं? — सगुण भक्ति धारा (कृष्ण भक्ति शाखा)।

6. सूरदास की मृत्यु कब हुई थी? — 1583 ई. में।

7. सूरदास की मृत्यु कहाँ हुई थी? — पारसोली में।

8. अष्टछाप का जहाज किसे कहा जाता है? — सूरदास को।

9. पुष्टिमार्ग का जहाज किसे कहा जाता है? — सूरदास को।

10. सूरदास किसके मंदिर में कीर्तन करते थे? — श्रीनाथ जी के मंदिर में।

2500 ब्रह्मास्त्र प्रश्न - मात्र ₹149/- Tez Education ऐप पर उपलब्ध

रचनाएँ और भाषा

❖ सूरदास की प्रमुख प्रामाणिक रचनाएँ सूरसागर, सूरसारावली और साहित्य लहरी मानी जाती हैं।

❖ इनमें 'सूरसागर' को उनकी सबसे प्रसिद्ध और महत्वपूर्ण रचना माना जाता है, जिसमें भगवान कृष्ण की लीलाओं का विस्तार से वर्णन है।

11. सूरदास की कितनी प्रमाणिक रचनाएँ मानी जाती हैं? — तीन।

12. सूरदास की सर्वाधिक प्रसिद्ध रचना कौन सी है? — सूरसागर।

13. 'साहित्य लहरी' के रचनाकार कौन हैं? — सूरदास।

2500 ब्रह्मास्त्र प्रश्न - मात्र ₹149/- Tez Education ऐप पर उपलब्ध

14. सूरदास की तीसरी प्रमुख रचना कौन सी है? — सूरसारावली।

15. सूरदास के काव्य की मुख्य भाषा क्या है? — ब्रजभाषा।

16. सूरदास को किस रस का सम्राट कहा जाता है? — वात्सल्य रस।

17. वात्सल्य और श्रृंगार के श्रेष्ठ कवि कौन हैं? — सूरदास।

18. सूरसागर में लगभग कितने पद माने जाते हैं? — सवा लाख (वर्तमान में लगभग 5,000 उपलब्ध)।

2500 ब्रह्मास्त्र प्रश्न - मात्र ₹149/- Tez Education ऐप पर उपलब्ध

19. सूरदास की रचनाओं का मुख्य विषय क्या है? — कृष्ण की बाल लीला और गोपियों का प्रेम।

20. दृष्टकूट पदों की रचना सूरदास ने किस ग्रंथ में की है? — साहित्य लहरी में।

भ्रमरगीत प्रसंग

21. सूरसागर के किस अंश को 'भ्रमरगीत' कहा जाता है? — जिसमें उद्धव-गोपी संवाद है।

22. भ्रमरगीत का मुख्य आधार क्या है? — श्रीमद्भागवत पुराण का दशम स्कंध।

2500 ब्रह्मास्त्र प्रश्न - मात्र ₹149/- Tez Education ऐप पर उपलब्ध

23. भ्रमरगीत में 'भ्रमर' (भौंरा) किसका प्रतीक है? — उद्धव का।

24. कृष्ण ने मथुरा से किसे संदेश लेकर भेजा था? — उद्धव को।

25. उद्धव गोपियों को किसका संदेश देने आए थे? — निर्गुण ब्रह्म और योग का।

26. गोपियों ने उद्धव के योग संदेश को किसके समान बताया है? — कड़वी ककड़ी के समान।

27. गोपियों के अनुसार राजा का धर्म क्या होना चाहिए? — प्रजा को न सताना।

2500 ब्रह्मास्त्र प्रश्न - मात्र ₹149/- Tez Education ऐप पर उपलब्ध

28. गोपियों ने स्वयं को कृष्ण के प्रेम में कैसा बताया है? — गुड़ से चिपटी हुई चींटियों के समान।

29. 'अति बड़भागी' कहकर गोपियों ने किस पर व्यंग्य किया है? — उद्धव पर।

30. 'हारिल की लकड़ी' किसे कहा गया है? — श्री कृष्ण को (गोपियों द्वारा)।

2500 ब्रह्मास्त्र प्रश्न - मात्र ₹149/- Tez Education ऐप पर उपलब्ध

काव्य विशेषताएँ और उपाधियाँ

31. 'खंजन नयन' किस कवि को कहा जाता है? — सूरदास को।

32. सूरदास को 'जीवनोत्सव का कवि' किसने कहा? — आचार्य रामचंद्र शुक्ल ने।

33. सूरदास की भक्ति किस भाव की है? — सख्य भाव (मित्रता का भाव)।

34. अष्टछाप की स्थापना किसने की थी? — विट्ठलनाथ ने (1565 ई.)।

35. अष्टछाप के कवियों में सबसे ज्येष्ठ (बड़े) कौन थे? — कुंभनदास।

36. अष्टछाप के कवियों में सबसे प्रसिद्ध कौन थे? — सूरदास।

2500 ब्रह्मास्त्र प्रश्न - मात्र ₹149/- Tez Education ऐप पर उपलब्ध

37. सूरदास के पदों में किस गुण की प्रधानता है? — माधुर्य गुण।

38. सूरदास ने श्री कृष्ण के किस रूप का चित्रण किया है? — लोकरंजक रूप का।

39. 'सूर-सूर तुलसी ससी' पंक्ति में सूरदास की तुलना किससे की गई है? — सूर्य से।

40. सूरदास का काव्य किस रूप में लिखा गया है? — गेय पद (गाने योग्य पद)।

महत्वपूर्ण पंक्तियाँ और तथ्य

41. 'ऊधो, मन न भये दस बीस' पंक्ति किसकी है? — सूरदास की।

2500 ब्रह्मास्त्र प्रश्न - मात्र ₹149/- Tez Education ऐप पर उपलब्ध

42. 'मैया कबहिं बढ़ैगी चोटी' पद के रचयिता कौन हैं? — सूरदास।

43. 'बिनु गोपाल बैरिन भई कुंजैं' में कौन सा रस है? — वियोग श्रृंगार।

44. सूरदास को किस राजा का संरक्षण प्राप्त था? — वे किसी राजा के आश्रित नहीं थे (स्वतंत्र भक्त थे)।

45. 'अविगत गति कछु कहत न आवै' पद में सूरदास ने किसका खंडन किया है? — निर्गुण भक्ति का।

46. सूरदास के पिता का क्या नाम माना जाता है? — रामदास सारस्वत।

2500 ब्रह्मास्त्र प्रश्न - मात्र ₹149/- Tez Education ऐप पर उपलब्ध

47. वल्लभाचार्य से मिलने से पहले सूरदास किस भाव की भक्ति करते थे? — दास्य भाव (दीनता के पद)।

48. सूरदास के काव्य में किस अलंकार की बहुलता है? — उपमा, रूपक और उत्प्रेक्षा।

49. 'सूरसागर' का संपादन किसने किया था? — नागरी प्रचारिणी सभा ने।

50. सूरदास की रचनाओं का सबसे पहला संपादन किस नाम से हुआ था? — राग कल्पद्रुम।

2500 ब्रह्मास्त्र प्रश्न - मात्र ₹149/- Tez Education ऐप पर उपलब्ध

ये वन-लाइनर्स आपकी परीक्षा के लिए बहुत उपयोगी साबित होंगे।

इन्हें बार-बार दोहराने से सूरदास से संबंधित कोई भी प्रश्न गलत नहीं होगा।

2500 ब्रह्मास्त्र प्रश्न - मात्र ₹149/- Tez Education ऐप पर उपलब्ध

काव्यगत गहराई और दर्शन (Advanced Level)

1. सूरदास ने किस ग्रंथ में अलंकारों और नायिका भेद का निरूपण किया है? — साहित्य लहरी।

2. वल्लभाचार्य ने सूरदास को कौन सा मंत्र दीया था? — ब्रह्मसंबंध मंत्र।

3. सूरदास के काव्य में 'अनुप्रास' की अपेक्षा किस अलंकार का चमत्कार अधिक मिलता है? — उपमा और रूपक।

4. 'सूरसागर' को 'ध्वनि काव्य' किसने कहा है? — आचार्य रामचंद्र शुक्ल ने।

2500 ब्रह्मास्त्र प्रश्न - मात्र ₹149/- Tez Education ऐप पर उपलब्ध

5. गोपियों ने उद्धव को 'भ्रमर' कहकर क्यों संबोधित किया? — क्योंकि भ्रमर भी काला था और उद्धव का रंग भी कृष्ण की तरह काला था।

6. सूरदास ने श्री कृष्ण के किस अवस्था का सर्वाधिक वर्णन किया है? — शैशवावस्था और किशोरावस्था।

7. 'सूरसागर' का कौन सा स्कंध सबसे बड़ा है? — दशम स्कंध।

8. किस विद्वान ने सूरदास को 'अष्टछाप का अग्रणी' कहा है? — विट्ठलनाथ ने।

9. सूरदास के पदों में 'वक्रोक्ति' का सुंदर प्रयोग कहाँ मिलता है? — भ्रमरगीत प्रसंग में।

2500 ब्रह्मास्त्र प्रश्न - मात्र ₹149/- Tez Education ऐप पर उपलब्ध

10. गोपियों के अनुसार कृष्ण के प्रेम की तुलना किस पक्षी से की गई है? — हारिल पक्षी से (जो कभी लकड़ी नहीं छोड़ता)।

तुलनात्मक और आलोचनात्मक तथ्य

11. सूरदास के 'भ्रमरगीत' की मुख्य विशेषता क्या है? — उपालंभ (उलाहना) की प्रधानता।

12. किस आलोचक ने सूरदास को 'वात्सल्य रस का कोना-कोना झाँक आने वाला' बताया है? — आचार्य रामचंद्र शुक्ल।

13. सूरदास की भक्ति पद्धति का मूलाधार क्या है? — पुष्टिमार्ग।

2500 ब्रह्मास्त्र प्रश्न - मात्र ₹149/- Tez Education ऐप पर उपलब्ध

14. सूरदास ने अपने पदों में किस छंद का प्रयोग सर्वाधिक किया है? — पद छंद (जो गेय हैं)।

15. 'साहित्य लहरी' में कितने पद हैं? — 118 पद।

16. सूरदास के काव्य में 'लोक-संग्रह' की भावना का अभाव किसने बताया? — कुछ आधुनिक आलोचकों ने (हालांकि शुक्ल जी इससे सहमत नहीं थे)।

17. सूरदास की रचनाओं में 'बिंब योजना' कैसी है? — अत्यंत सजीव और चित्रात्मक।

2500 ब्रह्मास्त्र प्रश्न - मात्र ₹149/- Tez Education ऐप पर उपलब्ध

18. 'सूरसागर' को 'स्त्री जाति की गरिमा' का काव्य किसने माना? — हजारी प्रसाद द्विवेदी।

19. सूरदास के पदों में प्रकृति का चित्रण किस रूप में हुआ है? — उद्दीपन रूप में।

20. सूरदास ने किस ग्रंथ में अपनी वंशावली दी है? — साहित्य लहरी के अंतिम पद में (हालांकि यह विवादास्पद है)।

भ्रमरगीत के विशिष्ट तर्क

21. 'मूंड़ मुड़ाए' का अर्थ भ्रमरगीत में क्या बताया गया है? — सन्यास ग्रहण करना (जिस पर गोपियाँ व्यंग्य करती हैं)।

2500 ब्रह्मास्त्र प्रश्न - मात्र ₹149/- Tez Education ऐप पर उपलब्ध

22.गोपियों ने उद्धव के 'योग' को किसके लिए उपयुक्त बताया? — जिनके मन 'चक्री' (अस्थिर) हैं।

23.'पाइन परि' का अर्थ क्या है? — पैरों पड़ना (क्षमा मांगना)।

24. भ्रमरगीत में गोपियों की 'तर्कशक्ति' किसका प्रतीक है? — हृदय की अनुभूति की बुद्धि पर विजय।

25.सूरदास के 'भ्रमरगीत' का मुख्य उद्देश्य क्या है? — निर्गुण पर सगुण की और ज्ञान पर प्रेम की विजय दिखाना।

विविध प्रश्न

2500 ब्रह्मास्त्र प्रश्न - मात्र ₹149/- Tez Education ऐप पर उपलब्ध

26. 'सूरदास' नाम के अलावा उन्हें और किस नाम से जाना जाता था? — मदनमोहन (कुछ किंवदंतियों के अनुसार)।

27. सूरदास के समकालीन प्रसिद्ध सूफी कवि कौन थे? — मलिक मोहम्मद जायसी।

28. सूरदास के काव्य की शैली क्या है? — मुक्तक काव्य शैली।

29. 'चरण कमल बंदौ हरिराई' में कौन सा अलंकार है? — रूपक अलंकार।

30. सूरदास को 'पुष्टिमार्ग का जहाज' उनकी मृत्यु पर किसने कहा था? — विट्ठलनाथ ने।

2500 ब्रह्मास्त्र प्रश्न - मात्र ₹149/- Tez Education ऐप पर उपलब्ध